

**PGIIS-1254-A-18**  
**M.A. II - Semester Examination**  
**SANSKRIT**  
**(Alankara Shastra - II (B))**  
**Paper No. - S.C. 2.2**

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 80

**Instructions to Candidates:****Kavya prakasha of Mammata (I, II & X Ultasa)**

- I.** अलङ्कारशास्त्रे काव्यप्रकाशस्य महत्त्वं विवृणुत। (16)  
 (अथवा)  
 मम्मटस्य देश - काल - कृतिविषये प्रबन्धमारचयत।
- II.** शब्दशक्तीः अधिकृत्य विवृणुत। (16)  
 (अथवा)  
 मम्मटानुसारं काव्यप्रयोजनं विशदयत।
- III.** उपमालङ्कारप्रभेदान् सोदाहरणं विवृणुत। (16)  
 (अथवा)  
 उत्प्रेक्षा लङ्कारस्य स्वरूपं सोदाहरणं व्याख्यात।
- IV.** चतुर्णां ससन्दर्भं विवृणुत। (4 × 4 = 16)  
 1) इति हेतुस्तदुद्भव।  
 2) अतादृशि गुणीभूतव्यङ्ग्यं व्यङ्ग्ये तुमध्यमम्।  
 3) साक्षात् सङ्घेविह्वं योऽर्थभभिधते स वाचकः।  
 4) विज्ञेयातिशयोक्तिः सा।

5) उपमानाद् यदन्यस्य व्यतिरेकः स एवं सः।

6) वाच्यादयः तदर्थः स्युः।

V. चतुर्णां लघुटिप्पणीः लिखत।

(4 × 4 = 16)

1) उत्तमकाव्यम्।

2) काव्यलक्षणम्।

3) चित्रकाव्यम्।

4) अभिधामूलव्यञ्चना।

5) श्लेषालङ्कारः।

6) विभावना।



PGIIS-1257-A-18  
M.A. II nd Semester Examination  
SANSKRIT  
(Sanskrit Poetry)  
Paper No. - H.C. 2.1

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 80

*Instructions to Candidates:*

*Raghuvamsha of Kalldasu Canto - 1*

- I. संस्कृत संहित्यं प्रति कलिदासस्य योगदानं निर्धारत। (16)  
(अथवा)  
'उपमा कलिदासस्य' - समर्थयत।
- II. दिलीपस्य गुणवर्णनं कुरुत। (16)  
(अथवा)  
वसिष्ठोदितं नन्दिनीशापति मोचनोपायं विवृणुत।
- III. यथाग्रन्थं वसिष्ठाश्रमस्य वर्णनं कुरुत। (16)  
(अथवा)  
दिलीपोदितं सन्तानविहीनस्य राज्ञः दशान् वर्णयत।
- IV. चतुर्णां ससन्दर्भं विवृणुत। (4 × 4 = 16)  
1) वितीर्षुर्दुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम्।  
2) तद्गुणैः कर्णमागत्य चापलाय प्रचोदितः।  
3) दिलीप इति राजेन्दुरिन्दुः क्षीरनिधाविव।  
4) स पिता पितरस्तासां केवलं जन्महेतवः।

5) अर्हणामर्हते च कुर्मुनयो नयचक्षुषे।

6) अनिन्धा नन्दिनी नाम धेनुराववृते वनात्

V. चतुर्णां लघुटिप्पणीः लिखत।

(4 × 4 = 16)

1) महाकाव्यम्।

2) नन्दिनी।

3) वसिष्ठाश्रमः।

4) रघुवंशम्।

5) मङ्गलश्लोकः।

6) कालिदासः।

